RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 12th | GEOGRAPHY

मानव बस्तियाँ

ग्रामीण और शहरी बस्तियाँ

अध्याय-2 | भाग-5

एकदम BASIC से!



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 मानव बस्तियाँ

2 अभ्यास प्रश्न

मानव बस्तियाँ

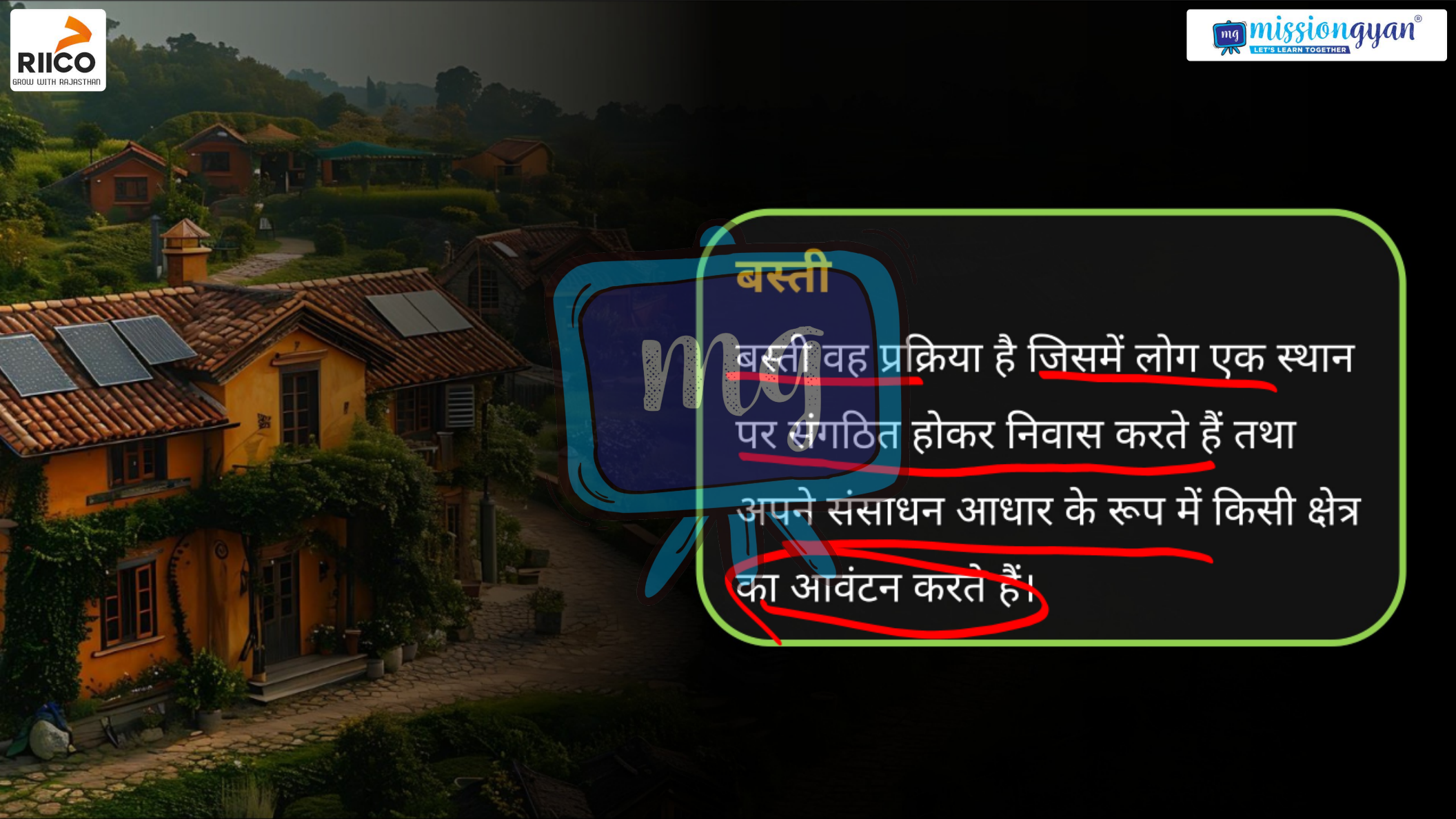


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव बस्तियाँ

- अर्थ : किसी भी प्रकार और आकार के घरों का संकुल जिनमें मनुष्य का निवास हो
- मकानों और अन्य इमारतों का निर्माण
- आर्थिक पोषण-आधार के लिए कुछ क्षेत्र पर स्वामित्व



बस्ती

बस्ती वह प्रक्रिया है जिसमें लोग एक स्थान पर संगठित होकर निवास करते हैं तथा अपने संसाधन आधार के रूप में किसी क्षेत्र का आवंटन करते हैं।

बस्तियाँ

- आकार और प्रकार में भिन्न
- परिसर : एक पल्ली से महानगर तक
- छोटे व विरल रूप से लेकर बड़ी व संकुलित




बस्तियों में भिन्नता के लक्षण
1 आकार
2 आर्थिक अभिलक्षण
3 सामाजिक संरचना
4 पारिस्थितिकी
5 प्रौद्योगिकी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण बस्तियाँ

- विरल रूप से अवस्थित छोटी बस्तियाँ
- कृषि अथवा अन्य प्राथमिक क्रियाकलापों में विशिष्टता प्राप्त



नगरीय बस्तियाँ

- कम, किंतु बड़े अधिवास
- द्वितीयक और तृतीयक क्रियाकलापों में विशेषीकृत



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण और नगरीय बस्तियों में आधारभूत अंतर

क्र.सं.	ग्रामीण बस्तियाँ	नगरीय बस्तियाँ
1.	आर्थिक गतिविधि : प्राथमिक क्रियाकलाप	आर्थिक गतिविधि : विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र
2.	ग्रामीण लोग कम गतिशील	जीवन का ढंग जटिल और तीव्र
3.	सामाजिक संबंध घनिष्ठ	सामाजिक संबंध औपचारिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

ग्रामीण और नगरीय बस्तियाँ सामाजिक संबंधों, अभिवृत्ति और दृष्टिकोण की दृष्टि से भी भिन्न होती हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नगरीय बस्ती की विशेषताएं

- नगर आर्थिक वृद्धि के नोड (node) के रूप में
- पश्च भूमि की ग्रामीण बस्तियों को भोजन और कच्चे माल के बदले वस्तुएँ और सेवाएँ उपलब्ध



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

नगरीय और ग्रामीण बस्तियों के बीच प्रकार्यात्मक संबंध परिवहन और संचार परिपथ के माध्यम से स्थापित होता है।



ग्रामीण बस्तियों के प्रकार

बस्तियों के प्रकार के निर्धारक कारक

- निर्मित क्षेत्र के विस्तार
- अंतर्वास दूरी



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

भारत में कुछ सौ घरों से युक्त संहत अथवा गुच्छित गाँव विशेष रूप से उत्तरी मैदानों में एक सार्वत्रिक लक्षण है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ग्रामीण बस्तियों के प्रकारों के लिए कारक और दशाएँ उत्तरदायी

1. भौतिक लक्षण
2. सांस्कृतिक और मानवजातीय कारक
3. सुरक्षा संबंधी कारक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौतिक लक्षण

- भू-भाग की प्रकृति
- ऊँचाई
- जलवायु
- जल की उपलब्धता



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



सांस्कृतिक और मानवजातीय कारक

1. सामाजिक संरचना
2. जाति
3. धर्म

सुरक्षा संबंधी कारक

चोरियों और डकैतियों से सुरक्षा



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत की ग्रामीण बस्तियाँ



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

गुच्छित बस्तियाँ

- घरों का एक संहत अथवा संकुलित रूप
- रहन-सहन का सामान्य क्षेत्र स्पष्ट
- चारों ओर फैले खेत, खलिहान और चरागाह



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



गुच्छित बस्तियों के प्रारूप

संकुलित निर्मित क्षेत्र और मध्यवर्ती गलियों से बस्ती

प्रारूप अथवा ज्यामितीय आकृतियाँ निर्मित

- आयताकार
- अरीय
- रैखिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



गुच्छित बस्तियों के उदाहरण

- सामान्यत :-
  - उपजाऊ जलोढ़ मैदानों में
  - उत्तर-पूर्वी राज्यों में
- प्रतिरक्षा कारणों से संहत गाँव :-
  - बुंदेलखंड प्रदेश (मध्य भारत)
  - नागालैंड

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जल संसाधनों के अधिकतम उपयोग के कारण संहत बस्तियाँ :-

राजस्थान के जल अभाव क्षेत्रों में



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ

- अन्य नाम : विखंडित बस्तियाँ
- परिक्षिप्त बस्ती के किसी सीमित क्षेत्र में गुच्छित होने की प्रवृत्ति का परिणाम
- बड़े संहत गाँव के संपृथकन अथवा विखंडन के परिणामस्वरूप भी उत्पन्न



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



बड़े संहत गाँव का संपृथकन अथवा विखंडन

- विखंडन के परिणामस्वरूप अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ उत्पन्न
- एक या अधिक वर्ग का स्वेच्छा से अथवा बलपूर्वक मुख्य गाँव से थोड़ी दूरी पर बसाव
- जमींदार और अन्य प्रमुख समुदाय द्वारा मुख्य गाँव के केंद्रीय भाग पर आधिपत्य
- निचले तबके के लोगों और निम्न कार्यों में संलग्न लोगों का गाँव के बाहरी हिस्सों में बसाव

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अर्ध-गुच्छित बस्तियों के उदाहरण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अर्ध-गुच्छित बस्तियों के उदाहरण

- गुजरात के मैदान में
- राजस्थान के कुछ भागों में





पल्ली बस्तियाँ

- बस्ती भौतिक रूप से एक-दूसरे से पृथक अनेक इकाइयों में विभाजित
- सभी इकाइयो का नाम एक ही
- विशाल गाँव के खंडीभवन के कारण :-

सामाजिक कारक

मानवजातीय कारक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पल्ली बस्तियों के स्थानीय नाम

पान्ना | पाड़ा | पाली

नगला | ढाँणी



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पल्ली बस्तियों का विस्तार

- मध्य और निम्न गंगा के मैदान में
- छत्तीसगढ़ में
- हिमालय की निचली घाटियों में

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

परिक्षिप्त बस्तियाँ

- अन्य नाम : एकाकी बस्ती
- अवस्थिति :-
  - सुदूर जंगलों में एकाकी झोंपड़ियाँ
  - कुछ झोंपड़ियों की पल्ली
  - छोटी पहाड़ियों की ढालों पर खेता म
  - चरागाहों क्षेत्रों में

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बस्ती के चरम विक्षेपण का कारण

भू-भाग और निवास योग्य क्षेत्रों के भूमि संसाधन आधार की अत्यधिक विखंडित प्रकृति



भारत में परिक्षिप्त बस्तियाँ

मेघालय, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और केरल



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नगरीय बस्तियाँ

- सामान्यतः संहत और विशाल आकार
- अकृषि, आर्थिक व प्रशासकीय प्रकार्यों में संलग्न
- चारों ओर के क्षेत्रों से प्रकार्यात्मक रूप में जुड़ाव
- वस्तुओं और सेवाओं का विनिमय प्रत्यक्ष रूप से
- मंडी शहरों की श्रृंखला के माध्यम से विनिमय

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

नगर गाँवों से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से जुड़े होते हैं और वे परस्पर भी जुड़े हुए होते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारतीय जनगणना : 1991

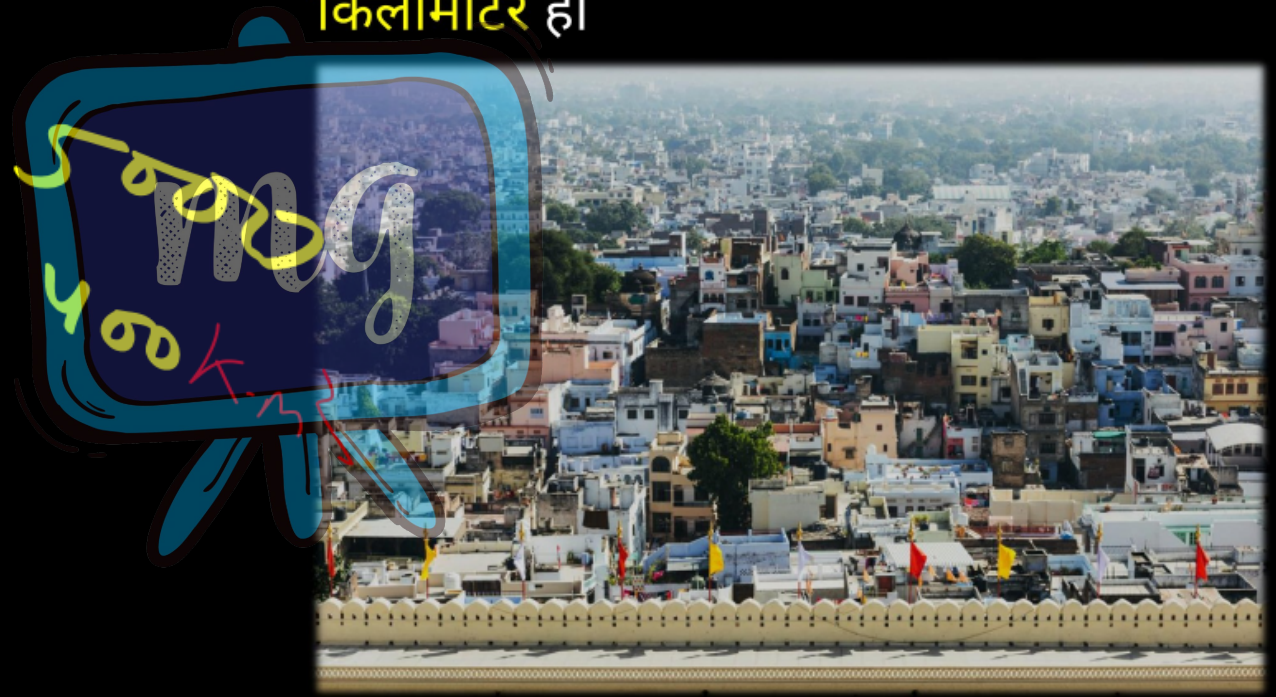
नगरीय बस्ती

- सभी स्थान जहाँ नगरपालिका, निगम, छावनी बोर्ड (कैंटोनमेंट बोर्ड) या अधिसूचित नगरीय क्षेत्र समिति
- कम से कम 5000 व्यक्ति वहाँ निवास करते हो
- 75 प्रतिशत पुरुष श्रमिक गैर कृषि कार्यों में संलग्न हों

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

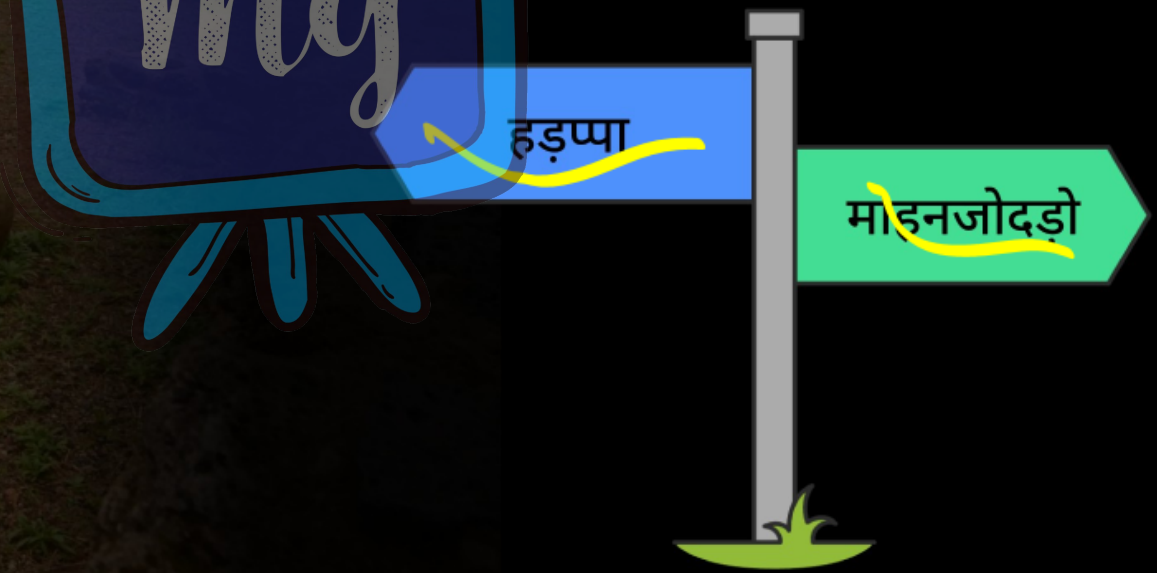
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जनसंख्या का घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो



भारत में नगरों का विकास

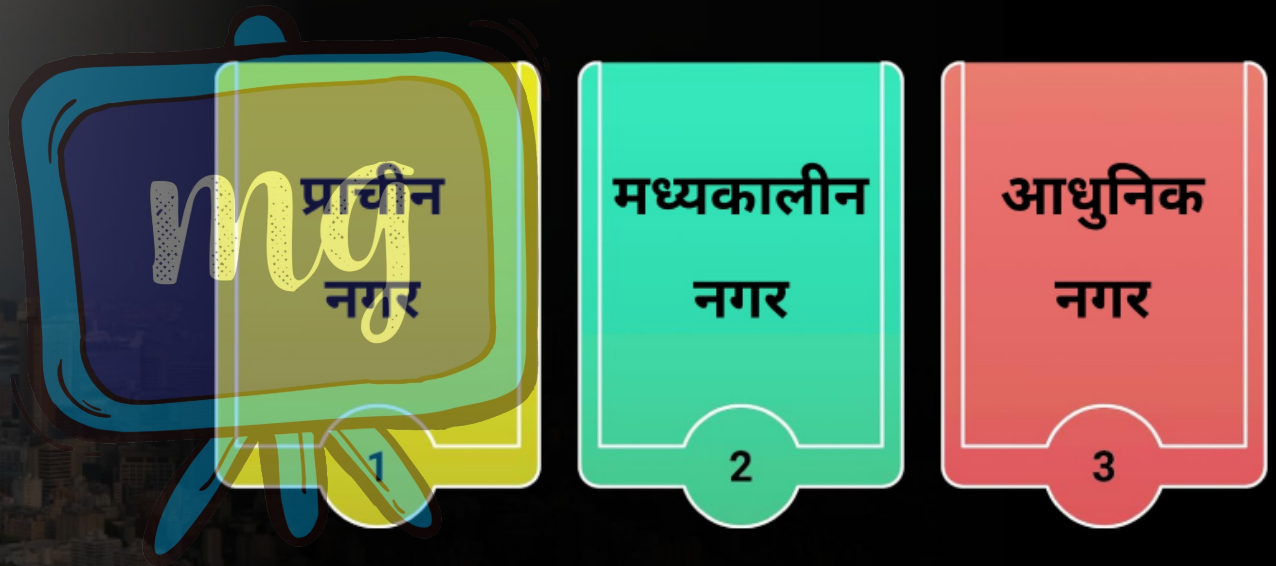
- नगरों का अभ्युदय प्रागैतिहासिक काल से
- सिंधु घाटी सभ्यता के युग में :-



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विकास के आधार पर भारतीय नगर





1. प्राचीन नगर

- भारत में 2000 से अधिक वर्षों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाले नगर
- अधिकांश का विकास धार्मिक अथवा सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में
- वाराणसी इनमें से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण नगर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

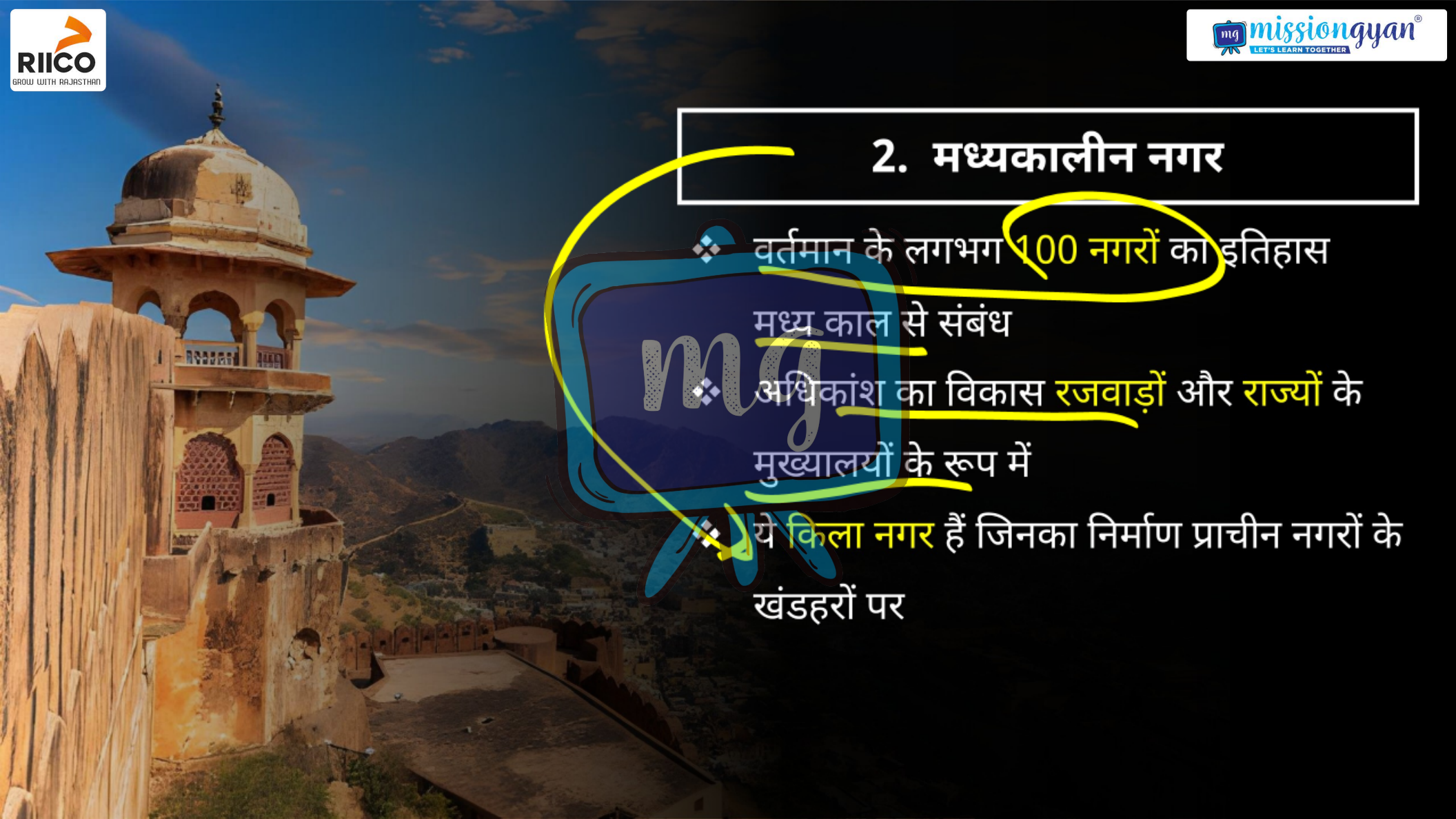
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्राचीन नगर

वाराणसी, प्रयाग (इलाहाबाद), पाटलिपुत्र (पटना),

मदुरई





2. मध्यकालीन नगर

- वर्तमान के लगभग 100 नगरों का इतिहास मध्य काल से संबंध
- अधिकांश का विकास रजवाड़ों और राज्यों के मुख्यालयों के रूप में
- ये किला नगर हैं जिनका निर्माण प्राचीन नगरों के खंडहरों पर


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
मध्यकालीन नगर
दिल्ली
हैदराबाद
जयपुर
लखनऊ
आगरा
नागपुर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. आधुनिक नगर

- अंग्रेज़ों और अन्य यूरोपियों द्वारा आधुनिक नगरों का विकास
- तटीय स्थानों पर व्यापारिक पत्तन विकसित :-
  - सूरत
  - दमन
  - गोआ
  - पांडिचेरी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंग्रेज़ी शैली में निर्मित तीन मुख्य नोड



मुंबई
(बंबई)

चेन्नई
(मद्रास)

कलकाता
(कलकत्ता)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

औपनिवेशिक काल

- प्रभाविता में प्रत्यक्ष रूप से अथवा रजवाड़ों पर नियंत्रण के माध्यम वृद्धि
- प्रशासनिक केंद्रों व ग्रीष्मकालीन विश्राम स्थलों के रूप में पर्वतीय नगरों को स्थापित

सिविल

प्रशासनिक

सैन्य क्षेत्र

आधुनिक औद्योगिक नगर

- 1850 के बाद विकसित
- जमशेदपुर प्रमुख उदाहरण



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् नगर

- प्रशासनिक केंद्र
- औद्योगिक केंद्र
- अनुषंगी नगर
- मध्यम और छोटे नगर

बड़ा नगर

छोटे नगर

प्रशासनिक केंद्र

चंडीगढ़, भुवनेश्वर, गांधीनगर, दिसपुर



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

औद्योगिक केंद्र

दुर्गापुर, भिलाई, सिंदरी, बरौनी





RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अनुषंगी नगर

दिल्ली के चारों ओर गाज़ियाबाद, रोहतक और गुरुग्राम



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मध्यम और छोटे नगर

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते निवेश के साथ पूरे देश में बड़ी संख्या में विकसित



भारत में नगरीकरण





भारत में नगरीकरण

नगरीकरण के स्तर का माप कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत

2011 में भारत में नगरीकरण का स्तर 31.16 प्रतिशत

20वीं शताब्दी के दौरान नगरीय जनसंख्या 11 गुना वृद्धि

नगरीकरण की वृद्धि दर पिछले दो दशकों में धीमी

नगरीकरण में सार्थक भूमिका

- नगरीय केंद्रों का विवर्धन
- नए नगरों का आविर्भाव





भारत में नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ 1901-2011

वर्ष	नगरों/नगरीय संकुलों की संख्या	वर्ष	नगरों/नगरीय संकुलों की संख्या
1901	1,827	1911	1,815
1921	1,949	1931	2,072
1941	2,250	1951	2,843
1961	2,365	1971	2,590
1981	3,378	1991	4,689
2001	5,161	2011	6,171

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ 1901-2011

वर्ष	नगरीय जनसंख्या (हजारों में)	वर्ष	नगरीय जनसंख्या (हजारों में)
1901	25,851.9	1911	25,941.6
1921	28,086.2	1931	33,456.0
1941	44,153.3	1951	62,443.7
1961	78,936.6	1971	1,09,114
1981	1,59,463	1991	2,17,611
2001	2,85,355	2011	3,77,000


mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ 1901-2011

वर्ष	कुल नगरीय जनसंख्या का %	वर्ष	कुल नगरीय जनसंख्या का %
1901	10.84	1911	10.29
1921	11.18	1931	11.99
1941	13.86	1951	17.29
1961	17.97	1971	19.91
1981	23.34	1991	25.71
2001	27.78	2011	31.16

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत में नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ 1901-2011

वर्ष	दशकीय वृद्धि (%)	वर्ष	दशकीय वृद्धि (%)
1901	———	1911	0.35
1921	8.27	1931	19.12
1941	31.97	1951	41.42
1961	26.41	1971	38.23
1981	46.14	1991	36.47
2001	31.13	2011	31.08

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



स्मार्ट सिटी मिशन

- उद्देश्य : शहरों में बेहतर जीवन गुणवत्ता प्रदान करना
- सुदृढ़ विकास : आधारभूत सुविधाओं (जल, बिजली, सड़क, आवास) का
- विशेष ध्यान : स्वच्छ, सुरक्षित और सतत पर्यावरण पर
- विशेषता : शहरी सेवाओं में स्मार्ट तकनीकों का उपयोग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्मार्ट सिटी मिशन

सस्ती और समावेशी सुविधाओं का विकास

शहरों को प्राकृतिक आपदाओं के कम जोखिम वाले क्षेत्र के रूप में विकसित करना

सतत तथा समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित

क्षेत्र-आधारित विकास रणनीति अपनाना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य एक ऐसे सघन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना है जो एक मॉडल के रूप में अन्य बढ़ते हुए शहरों के लिए लाइट हाऊस का काम करे।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण

नगर की केंद्रीय या नोडीय स्थान की भूमिका

नगर द्वारा विशेषीकृत सेवाओं का निष्पादन

विशिष्ट क्रियाओं, उत्पादनों या सेवाओं के लिए

प्रत्येक शहर द्वारा अनेक प्रकार्य

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण



1. प्रशासन शहर और नगर
2. औद्योगिक नगर
3. परिवहन नगर
4. वाणिज्यिक नगर
5. खनन नगर
6. गैरिसन (छावनी) नगर
7. धार्मिक और सांस्कृतिक नगर
8. शैक्षिक नगर
9. पर्यटन नगर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रशासन शहर और नगर

- उच्चतर क्रम के प्रशासनिक मुख्यालयों वाले शहर
- चंडीगढ़, नई दिल्ली, भोपाल, शिलांग, गुवाहाटी, इंफाल, श्रीनगर, गांधी नगर, जयपुर, चेन्नई



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

औद्योगिक नगर

विकास का प्रमुख अभिप्रेरक बल उद्योगों का विकास

मुंबई, सेलम, कोयंबटूर, मोदीनगर, जमशेदपुर, हुगली, भिलाई

मुम्बई (महा.)
सेलम (T.N)
कोयम्बटूर (T.N)
मोदीनगर (U.P)
जमशेदपुर (झा.)

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



परिवहन नगर

- पत्तन नगर जो मुख्यतः आयात और निर्यात कार्यों में संलग्न :-

  कांडला, कोच्चि, कोझीकोड, विशाखापट्नम

- आंतरिक परिवहन की धुरियाँ :-

  धुलिया, मुगलसराय, इटारसी, कटनी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वाणिज्यिक नगर

- व्यापार और वाणिज्य में विशिष्टता प्राप्त शहरों
- उदाहरण : कोलकाता, सहारनपुर, सतना



खनन नगर

- खनिज समृद्ध क्षेत्रों में विकसित नगर
- रानीगंज, झरिया, डिगबोई, अंकलेश्वर, सिंगरौली



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

गैरिसन (छावनी) नगर

- नगरों का उदय गैरिसन नगरों के रूप में
- अंबाला, जालंधर, महू, बबीना, उधमपुर



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



धार्मिक और सांस्कृतिक नगर

अपने धार्मिक/सांस्कृतिक महत्त्व के कारण प्रसिद्ध नगर	
वाराणसी, मथुरा, अमृतसर, मदुरै, पुरी, अजमेर, पुष्कर, तिरुपति, कुरुक्षेत्र, हरिद्वार, उज्जैन	

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शैक्षिक नगर

- मुख्य परिसर नगरों में से कुछ नगर शिक्षा केंद्रों के रूप में विकसित
- रुड़की, वाराणसी, अलीगढ़, पिलानी, इलाहाबाद



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पर्यटन नगर

नैनीताल, मसूरी, शिमला, पचमढ़ी, जोधपुर, जैसलमेर, उडगमंडलम (ऊटी), माउंट आबू



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



शैक्षिक विशेषीकरण

नोट

- नगर अपने प्रकार्यों में स्थिर नहीं है उनके गतिशील स्वभाव के कारण प्रकार्यों में परिवर्तन हो जाता है।
- विशेषीकृत नगर भी महानगर बनने पर बहुप्रकार्यात्मक बन जाते हैं जिनमें उद्योग व्यवसाय, प्रशासन, परिवहन इत्यादि महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।
- प्रकार्य इतने अंतर्ग्रथित हो जाते हैं कि नगर को किसी विशेष प्रकार्य वर्ग में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अभ्यास प्रश्न

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नीचे दिए गए चार विकल्पों में से सही उत्तर को चुनिए।

1. (i) निम्नलिखित में से कौन-सा नगर नदी तट पर अवस्थित नहीं है?

B

अ आगरा (यमुना नदी)

ब भोपाल (म.प्र.)

स पटना (गंगा)

द कोलकाता (हुगली नदी)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. (ii) भारत की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सी एक विशेषता नगर की परिभाषा का अंग नही है?

अ जनसंख्या घनत्व 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.

ब नगरपालिका, निगम का होना

स 75% से अधिक जनसंख्या का प्राथमिक खंड में संलग्न होना

द जनसंख्या आकार 5000 व्यक्तियों से अधिक

द्वितीयक वृत्तीय

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. (iii) निम्नलिखित में से किस पर्यावरण में परिक्षिप्त ग्रामीण बस्तियों की अपेक्षा नहीं की जा सकती?



अ गंगा का जलोढ़ मैदान

ब राजस्थान के शुष्क और अर्ध-शुष्क प्रदेश

स हिमालय की निचली घाटियाँ

द उत्तर-पूर्व के वन और पहाड़ियाँ

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 30 शब्दों में दें।

2. (i) गैरिसन नगर क्या होते हैं? उनका क्या प्रकार्य होता है?



उत्तर :

- गैरिसन नगर वे नगर होते हैं जिनका विकास सैन्य छावनियों के रूप में हुआ है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- इन नगरों का मुख्य प्रकार्य सेना से संबंधित गतिविधियों को संचालित करना होता है।
- इनमें सैनिकों का आवास, प्रशिक्षण, प्रशासन और सुरक्षा से जुड़े कार्य संपन्न होते हैं।
- अंबाला, जालंधर और महू इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



2. (ii) किसी नगरीय संकुल की पहचान किस प्रकार की जा सकती है?

उत्तर :

- नगरीय संकुल की पहचान तब की जाती है जब एक मुख्य नगर के साथ उसके समीप स्थित एक या अधिक नगर और उपनगर भौतिक रूप से जुड़े होते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इन सभी नगरों के बीच आवास, परिवहन और आर्थिक गतिविधियों की पारस्परिक निर्भरता पाई जाती है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. (iii) मरुस्थली प्रदेशों में गाँवों के अवस्थिति के कौन-से मुख्य कारक होते हैं।

उत्तर :

- मरुस्थली प्रदेशों में गाँवों की अवस्थिति मुख्यतः जल की उपलब्धता पर निर्भर करती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- नदियों, कुओं और ट्यूबवेल के आसपास गाँव विकसित होते हैं।
- इसके अतिरिक्त कृषि योग्य भूमि और पशुपालन की संभावनाएँ भी गाँवों की अवस्थिति को प्रभावित करती हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. (iv) महानगर क्या होते हैं? ये नगरीय संकुलों से किस प्रकार भिन्न होते हैं?

उत्तर :

- महानगर वे बड़े नगर होते हैं जिनकी जनसंख्या अत्यधिक होती है और जिनमें प्रशासन, उद्योग, व्यापार तथा सेवाएँ विकसित होती हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्पष्टीकरण

- नगरीय संकुल में कई नगरों का समूह होता है, जबकि महानगर एक प्रमुख नगर होता है जो अपने आसपास के क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव डालता है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में दें।

3. (i) विभिन्न प्रकार की ग्रामीण बस्तियों के लक्षणों की विवेचना कीजिए। विभिन्न भौतिक पर्यावरणों में बस्तियों के प्रारूपों के लिए उत्तरदायी कारक कौन-से हैं?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्तर :

ग्रामीण बस्तियां :

- ग्रामीण बस्तियाँ वे बस्तियाँ हैं जिनकी जनसंख्या कम होती है और जिनकी अर्थव्यवस्था मुख्यतः प्राथमिक गतिविधियों पर आधारित होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इनके स्वरूप और वितरण के आधार पर ग्रामीण बस्तियों को चार प्रमुख प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है—

i. गुच्छित बस्तियाँ :

- घर सघन रूप से एक स्थान पर स्थित होते हैं और उनके चारों ओर कृषि भूमि फैली होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ये बस्तियाँ सामान्यतः उपजाऊ मैदानों में पाई जाती हैं जहाँ कृषि के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ उपलब्ध होती हैं।
- सुरक्षा और सामाजिक सहयोग इनके विकास के प्रमुख कारण हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ii. अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ :

- मूल गुच्छित बस्ती के विस्तार के रूप में विकसित होती हैं।
- सामाजिक या आर्थिक कारणों से कुछ समूह मुख्य बस्ती से अलग बस जाते हैं, जिससे यह स्वरूप बनता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

iii. पल्ली बस्तियाँ :

- कई छोटी इकाइयों में विभाजित होती हैं, परंतु सभी इकाइयों का नाम एक ही होता है।
- यह स्वरूप सामाजिक संरचना और भूमि के स्वामित्व से जुड़ा होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

iv. परिक्षिप्त बस्तियाँ

- पर्वतीय, वनाच्छादित और उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में पाई जाती हैं।
- यहाँ घर दूर-दूर स्थित होते हैं क्योंकि भूमि की उपलब्धता सीमित और विखंडित होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

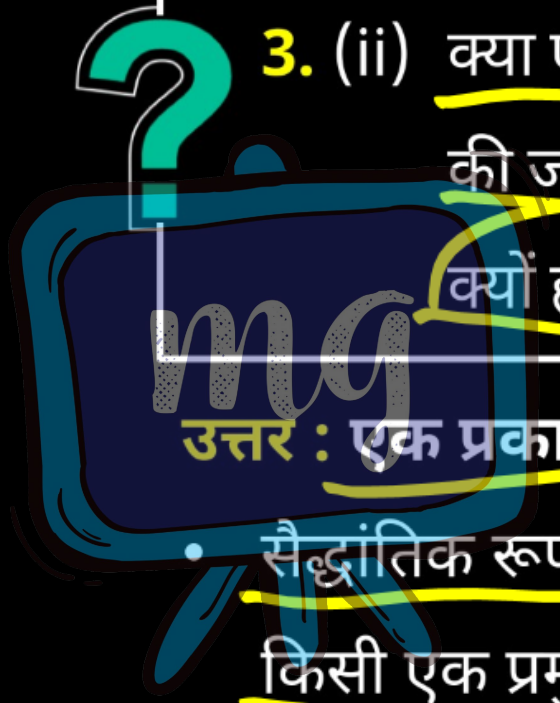
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विभिन्न भौतिक पर्यावरणों में बस्तियों के प्रारूपों के लिए उत्तरदायी कारक –

- विभिन्न भौतिक पर्यावरणों में बस्तियों के प्रारूपों के लिए स्थलाकृति, जलवायु, जल की उपलब्धता, मिट्टी की उर्वरता और प्राकृतिक संसाधन उत्तरदायी होते हैं।
- इन कारकों के संयुक्त प्रभाव से ग्रामीण बस्तियों की विविधता स्पष्ट होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. (ii) क्या एक प्रकार्य वाले नगर की कल्पना की जा सकती है? नगर बहुप्रकार्यात्मक क्यों हो जाते हैं?

उत्तर : एक प्रकार्य वाले नगर की कल्पना

- सैद्धांतिक रूप से किसी नगर का विकास किसी एक प्रमुख प्रकार्य के आधार पर हो सकता है, जैसे प्रशासनिक, औद्योगिक, धार्मिक या सैन्य नगर।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रारंभिक अवस्था में कई नगर किसी एक विशिष्ट प्रकार्य के लिए जाने जाते हैं।
- उदाहरण के लिए कुछ नगर प्रशासनिक केंद्र के रूप में विकसित हुए, तो कुछ उद्योग या धर्म के कारण प्रसिद्ध हुए।
- व्यवहारिक रूप से पूर्णतः एक प्रकार्य वाले नगर की कल्पना करना कठिन है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जैसे-जैसे नगर का आकार बढ़ता है और जनसंख्या में वृद्धि होती है, वैसे-वैसे विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ विकसित होने लगती हैं।
- उद्योगों के साथ व्यापार, परिवहन, शिक्षा और सेवाओं की आवश्यकता बढ़ती है।
- प्रशासनिक नगरों में भी वाणिज्य और सेवाएँ विकसित हो जाती हैं।

नगर बहुप्रकार्यात्मक

- नगरों का बहुप्रकार्यात्मक बनना उनके गतिशील स्वभाव का परिणाम है। आर्थिक विकास, परिवहन और संचार की उन्नति, ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों की ओर प्रवास तथा बढ़ती जनसंख्या नगरों के कार्यों को विविध बनाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- विशेषीकृत नगर भी महानगर बनने पर बहुप्रकार्यात्मक हो जाते हैं।
- इनमें उद्योग, व्यापार, प्रशासन और परिवहन समान रूप से महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।
- प्रकार्य इतने अंतर्ग्रथित हो जाते हैं कि नगर को किसी एक विशेष प्रकार्य वर्ग में रखना संभव नहीं रहता।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

इस प्रकार, यद्यपि नगर किसी एक प्रकार्य से प्रारंभ हो सकते हैं, परंतु समय के साथ वे बहुप्रकार्यात्मक इकाइयों में परिवर्तित हो जाते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. मानव बस्ती का सही अर्थ क्या है?

अ केवल नगर

ब केवल गाँव

स वह स्थान जहाँ लोग निवास करते हैं

द केवल औद्योगिक क्षेत्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. ग्रामीण बस्तियाँ मुख्यतः किस प्रकार की आर्थिक गतिविधियो पर आधारित होती हैं?

अ द्वितीयक

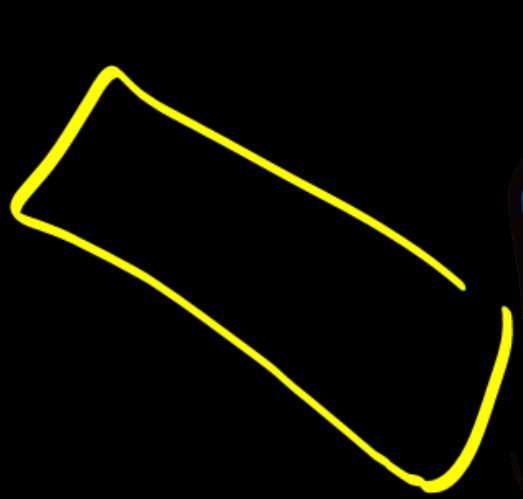
ब तृतीयक

स चतुर्थक

द प्राथमिक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. निम्न में से कौन-सी बस्ती का प्रकार सघन रूप से घरों के समूह के रूप में पाया जाता है?

अ बिखरी हुई बस्ती

ब अर्ध-गुच्छित बस्ती

स गुच्छित बस्ती

द एकाकी बस्ती

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4. अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ सामान्यतः किस कारण से विकसित होती हैं?

अ जल की अधिकता

ब सामाजिक एवं आर्थिक विभाजन

स औद्योगीकरण

द शहरीकरण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5. पल्ली बस्तियों की प्रमुख विशेषता क्या है?

अ सभी घर एक स्थान पर होते हैं

ब बस्ती कई इकाइयों में बंटी होती है

स केवल पर्वतीय क्षेत्रों में पाई जाती हैं

द केवल औद्योगिक कार्यों से जुड़ी होती हैं

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आर्थिक क्षेत्र
पेज नं. 42

6. परिक्षिप्त बस्तियाँ सामान्यतः कहाँ पाई जाती हैं?

अ उपजाऊ मैदानों में

ब घने शहरी क्षेत्रों में

स पर्वतीय एवं वन क्षेत्रों में

द औद्योगिक पट्टियों में

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. 1991 की जनगणना के अनुसार नगरीय बस्ती की पहचान का एक प्रमुख आधार क्या है?

अ 3000 से अधिक जनसंख्या

ब 75% जनसंख्या कृषि में संलग्न

स 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी घनत्व

द ग्राम पंचायत का होना

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. भारत में नगरीकरण के स्तर को किस रूप में मापा जाता है?

अ नगरों की संख्या से

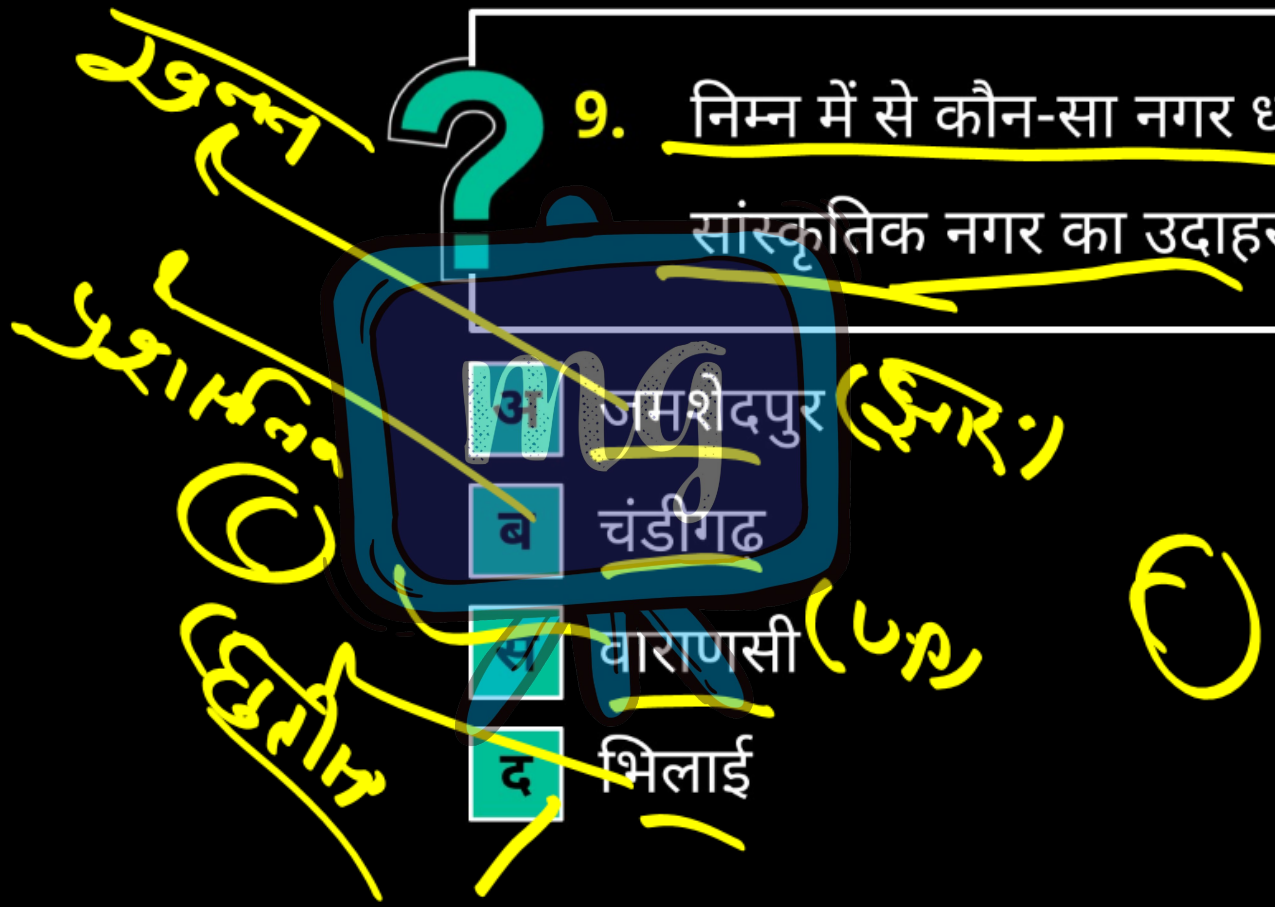
ब नगरीय क्षेत्रफल से

स कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत से

द औद्योगिक उत्पादन से

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



9. निम्न में से कौन-सा नगर धार्मिक एवं सांस्कृतिक नगर का उदाहरण है?

अ जमशेदपुर

ब चंडीगढ

स वाराणसी

द भिलाई

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10 महानगर बनने पर विशेषीकृत नगर क्यों बहुप्रकार्यात्मक हो जाते हैं?

अ जनसंख्या घटने के कारण

ब केवल प्रशासनिक कारणों से

स विभिन्न प्रकार्य आपस में अंतर्ग्रथित हो जाते हैं

द कृषि गतिविधियों के बढ़ने से

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



11. ग्रामीण और नगरीय बस्तियों के बीच आर्थिक आधार पर अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- ग्रामीण बस्तियों का आर्थिक आधार मुख्यतः भूमि आधारित प्राथमिक गतिविधियाँ जैसे कृषि, पशुपालन और वानिकी हैं।

- नगरीय बस्तियाँ द्वितीयक और तृतीयक गतिविधियों जैसे उद्योग, व्यापार, परिवहन तथा सेवाओं पर आधारित होती हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



12. गुच्छित ग्रामीण बस्तियों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर :

- गुच्छित ग्रामीण बस्तियों में घर सघन रूप से एकत्रित होते हैं।
- इनके चारों ओर कृषि भूमि स्थित होती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ऐसी बस्तियाँ सामान्यतः उपजाऊ मैदानों में पाई जाती हैं
- सुरक्षा और सामाजिक सहयोग इनके विकास के प्रमुख कारण होते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



13. अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ किस प्रकार विकसित होती हैं?

उत्तर :

- अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ मूल गुच्छित बस्ती के विस्तार के रूप में विकसित होती हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सामाजिक, आर्थिक या जातिगत विभाजन के कारण कुछ समूह मुख्य बस्ती से थोड़ी दूरी पर बस जाते हैं, जिससे यह बस्ती स्वरूप विकसित होता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

14. परिक्षिप्त बस्तियाँ किन भौगोलिक परिस्थितियों में पाई जाती हैं?

उत्तर :

- परिक्षिप्त बस्तियाँ दुर्गम और प्रतिकूल भौगोलिक परिस्थितियों में पाई जाती हैं।
- पर्वतीय क्षेत्रों, घने वनों और उच्च वर्षा वाले प्रदेशों में भूमि की विखंडित उपलब्धता के कारण घर दूर-दूर स्थित होते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



15. नगरों को आर्थिक नोड (Node) क्यों कहा जाता है?

उत्तर :

- नगरों को आर्थिक नोड कहा जाता है क्योंकि वे अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों को वस्तुएँ, सेवाएँ, रोजगार और बाजार उपलब्ध कराते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- नगर ग्रामीण उत्पादों का उपभोग करते हैं और बदले में औद्योगिक वस्तुएँ व सेवाएँ प्रदान करते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

16. मानव बस्तियों की अवधारणा स्पष्ट कीजिए तथा इनके विकास के प्रमुख आधार बताइए।



उत्तर :

मानव बस्ती

- मानव बस्ती उस स्थान को कहते हैं जहाँ लोग स्थायी रूप से निवास करते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- बस्तियाँ घरों, अन्य भवनों तथा उनसे जुड़े सामाजिक-आर्थिक क्रियाकलापों का समुच्चय होती हैं।

बस्तियों का विकास

- बस्तियों का विकास मुख्यतः जीवन निर्वाह की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- लोग भोजन, जल, आवास और सुरक्षा के लिए किसी क्षेत्र में बसते हैं।
- बस्तियों के विकास में भौतिक कारक जैसे भू-आकृति, जलवायु, मिट्टी और जल की उपलब्धता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- आर्थिक गतिविधियाँ, सामाजिक संरचना, तकनीकी विकास और परिवहन सुविधाएँ भी बस्तियों के स्वरूप और विस्तार को प्रभावित करती हैं।

- विभिन्न क्षेत्रों में बस्तियों के प्रकार और आकार में भिन्नता पाई जाती है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



17. ग्रामीण बस्तियों के प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर :

ग्रामीण बस्तियों को उनके स्वरूप और वितरण के आधार पर चार प्रमुख प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है-

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. **गुच्छित बस्तियाँ :** वे होती हैं जहाँ घर सघन रूप से एक स्थान पर स्थित होते हैं और चारों ओर कृषि भूमि फैली होती है।

2. **अर्ध-गुच्छित बस्तियाँ :** मुख्य गाँव के विस्तार के रूप में विकसित होती हैं, जहाँ कुछ सामाजिक वर्ग अलग बस जाते हैं।

3. **पल्ली बस्तियाँ :** कई छोटी इकाइयों में विभाजित होती हैं, परंतु सभी का नाम एक ही होता है।

4. **परिक्षिप्त बस्तियाँ :** पर्वतीय, वन या उच्च वर्षा वाले क्षेत्रों में पाई जाती हैं, जहाँ घर दूर-दूर स्थित होते हैं। इन प्रकारों का विकास भौतिक, सामाजिक और सुरक्षा संबंधी कारकों से जुड़ा होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

18. ग्रामीण और नगरीय बस्तियों के सामाजिक जीवन में अंतर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

ग्रामीण बस्तियां	नगरीय बस्तियां
1. ग्रामीण बस्तियों में लोग कम गतिशील होते हैं।	1. नगरीय बस्तियों में जीवन की गति तेज होती है।

ग्रामीण बस्तियां	नगरीय बस्तियां
2. सामाजिक संबंध घनिष्ठ तथा अनौपचारिक होते हैं।	2. सामाजिक संबंध औपचारिक और अपेक्षाकृत कमजोर होते हैं।
3. यहाँ परिवार और समुदाय का प्रभाव अधिक होता है।	3. नगरों में विभिन्न जाति, धर्म और भाषा के लोग रहते हैं, जिससे सामाजिक विविधता अधिक होती है।
4. ग्रामीण जीवन परंपरागत होता है।	4. नगरीय जीवन आधुनिक और प्रतिस्पर्धात्मक होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



19. नगरीय बस्तियों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर :

- नगरीय बस्तियाँ सामान्यतः सघन और विशाल आकार की होती हैं।
- इनमें जनसंख्या घनत्व अधिक होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- लोग मुख्यतः द्वितीयक एवं तृतीयक गतिविधियों में संलग्न रहते हैं।
- उद्योग, व्यापार, परिवहन, प्रशासन और सेवाएँ नगरीय जीवन की प्रमुख विशेषताएँ हैं।
- नगर अपने आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से वस्तुओं और कच्चे माल की प्राप्ति करते हैं तथा बदले में तैयार माल और सेवाएँ प्रदान करते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- नगर आर्थिक नोड के रूप में कार्य करते हैं।
- नगर ग्रामीण-नगरीय संबंधों को सुदृढ़ बनाते हैं।
- परिवहन और संचार सुविधाएँ नगरों को अन्य क्षेत्रों से जोड़ती हैं, जिससे उनका प्रभाव क्षेत्र विस्तृत हो जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



20. भारत में नगरों के विकास की ऐतिहासिक प्रक्रिया का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

उत्तर :

- भारत में नगरों का विकास प्राचीन काल से होता आया है।
- सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान हड़प्पा और मोहनजोदड़ो जैसे नगर विकसित हुए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्राचीन नगर प्रायः धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में उभरे।
- मध्यकालीन नगर राजाओं और राज्यों के प्रशासनिक तथा सैन्य केंद्र थे।
- आधुनिक काल में यूरोपीय शक्तियों के आगमन से तटीय नगरों और बंदरगाहों का विकास हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- ब्रिटिश काल में मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे नगर प्रमुख प्रशासनिक और व्यापारिक केंद्र बने।
- स्वतंत्रता के बाद नए प्रशासनिक और औद्योगिक नगरों का विकास हुआ, जिससे शहरीकरण को गति मिली।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

21. नगरीकरण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए तथा इसके मापन का आधार बताइए।



- नगरीकरण वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत नगरीय जनसंख्या और नगरीय क्षेत्रों का विस्तार होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- यह ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों की ओर जनसंख्या के प्रवास तथा नगरों के भौतिक विस्तार से जुड़ी होती है।

नगरीकरण का मापन

- नगरीकरण के स्तर का मापन कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या के प्रतिशत के रूप में किया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार नगरीकरण का स्तर 31.16 प्रतिशत था।
- औद्योगीकरण, परिवहन विकास और रोजगार के अवसर नगरीकरण को बढ़ावा देते हैं।
- हालाँकि भारत में नगरीकरण की गति विकसित देशों की तुलना में अपेक्षाकृत धीमी रही है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



22. नगरों के प्रकार्यात्मक वर्गीकरण का महत्व स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

- नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण उनके प्रमुख कार्यों के आधार पर किया जाता है।
- इससे नगरों की भूमिका और विशेषताओं को समझना सरल हो जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रशासनिक, औद्योगिक, परिवहन, वाणिज्यिक, खनन, धार्मिक, शैक्षिक और पर्यटन नगर इस वर्गीकरण के प्रमुख प्रकार हैं।
- यह वर्गीकरण क्षेत्रीय योजना, संसाधन वितरण और शहरी विकास की रणनीति बनाने में सहायक होता है।
- हालाँकि नगर स्थिर नहीं होते और समय के साथ उनके प्रकार्य बदलते रहते हैं।

- बड़े नगर और महानगर बहुप्रकार्यात्मक बन जाते हैं, जहाँ कई प्रकार के कार्य एक साथ संपन्न होते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

23. क्यों कहा जाता है कि नगर बहुप्रकार्यात्मक इकाइयाँ हैं?

उत्तर :

नगरों को बहुप्रकार्यात्मक इकाइयाँ कहा जाता है क्योंकि-

- वे एक से अधिक कार्य संपन्न करते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रारंभ में कोई नगर प्रशासनिक, औद्योगिक या धार्मिक केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है, परंतु जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विस्तार के साथ उसमें व्यापार, परिवहन, शिक्षा और सेवाएँ भी विकसित हो जाती हैं।
- महानगरों में उद्योग, प्रशासन, वाणिज्य और परिवहन सभी समान रूप से महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

- नगरों के कार्य आपस में इतने अंतर्ग्रथित हो जाते हैं कि उन्हें किसी एक ही प्रकार्य वर्ग में रखना कठिन हो जाता है।
- यही कारण है कि आधुनिक नगर बहुप्रकार्यात्मक स्वरूप ग्रहण कर लेते हैं।

24. भारत में नगरीकरण की प्रक्रिया और नगरों के विकास की प्रवृत्तियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर :

भारत में नगरीकरण की प्रक्रिया-

- नगरीकरण वह प्रक्रिया है जिसके अंतर्गत नगरीय जनसंख्या और नगरीय क्षेत्रों का विस्तार होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- भारत में नगरीकरण की प्रक्रिया ऐतिहासिक काल से चली आ रही है, परंतु आधुनिक काल में इसमें तीव्रता आई है।

नगरों के विकास की प्रवृत्तियाँ

- प्राचीन काल में नगर धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में विकसित हुए, जैसे वाराणसी और मथुरा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- मध्यकाल में नगर प्रशासनिक और सैन्य केंद्र बने, जिनका विकास राजाओं और राज्यों के मुख्यालयों के रूप में हुआ।
- आधुनिक काल में यूरोपीय शक्तियों, विशेषकर अंग्रेजों के आगमन से भारत में नगरीय विकास को नई दिशा मिली।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- तटीय नगरों और बंदरगाहों का विकास व्यापार और प्रशासन के केंद्रों के रूप में हुआ।
- मुंबई, कोलकाता और चेन्नई प्रमुख आधुनिक नगर बने।
- 1850 के बाद औद्योगीकरण के साथ औद्योगिक नगरों का उदय हुआ, जैसे जमशेदपुर।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- स्वतंत्रता के बाद कई नए प्रशासनिक और औद्योगिक नगर विकसित किए गए, जैसे चंडीगढ़, भुवनेश्वर और गांधी नगर।
- इसके साथ-साथ पुराने नगरों के आसपास उपनगरों और उपग्रह नगरों का विकास हुआ।